शब्दबाणों का प्रहार

राष्ट्रबाण

सिवनी

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

संपादक : संजय बघेल

सोमवार 23 फरवरी 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in ● वर्ष : 10 ● अंक : 297 ● पृष्ठ : 06 ● मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

ठाणे स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ते समय गिरी महिला, हाथ कटा

ठाणे। ठाणे स्टेशन पर एक एक्सप्रेस ट्रेन में चढ़ते समय फिसलकर गिरने से 28 साल की एक महिला का हाथ कट गया। गवर्नमेंट रेलवे पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना तब हुई जब ठाणे जिले के कलवा की रहने वाली सीमा शब्बीर शेख (28) रात करीब 1 बजे प्लेटफॉर्म नंबर 7 पर महानगरी एक्सप्रेस के आने के बाद उसमें चढ़ने की कोशिश कर रही थीं। वह ट्रेन के कोच एच-5 और एच-6 के नीचे गिर गईं। हादसे के बाद पुलिस वाले और कुली मौके पर पहुंचे।

बेंगलुरु में कॉलेज छात्रा से गैंगरेप, दो लोगों के खिलाफ केस

बेंगलुरु। बेंगलुरु में 19 साल की एक कॉलेज छात्रा ने दो युवकों पर प्राइवेट बंगले में गैंगरेप का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, छात्रा ने शिकायत में कहा कि 15 फरवरी को जक्कुर स्थित एक बंगले में उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया। उसका आरोप है कि दोनों आरोपियों ने जबरन उसे एक दवा खिलाई, जिसके बाद उसे चक्कर आने लगे, पसीना आने लगा और वह बेहोश हो गई। शिकायत के अनुसार, जब उसे थोड़ा होश आया तो एक आरोपी उसके साथ अश्लील हरकत कर रहा था। इसके बाद दोनों ने उसकी मर्जी के खिलाफ रेप किया। छात्रा का यह भी आरोप है कि आरोपियों ने उसे कमरे में बंद रखा और अगले दिन एक मॉल के पास छोड़ दिया।

केरल में कंक्रीट स्लैब गिरने से तीन लोडिंग वर्कर की मौत

वलियांगड़ी। केरल के वलियांगडी में कोझिकोड कॉर्पोरेशन की एक बिल्डिंग में 50 मीटर लंबा कंक्रीट स्लैब लोडिंग वर्कर पर गिर गया, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई। मरने वालों की पहचान जब्बार, अशरफ और बशीर के रूप में हुई है, जो वलियांगडी में कोझिकोड कॉर्पोरेशन की दो मंजिला बिल्डिंग में लोडिंग का काम कर रहे थे। पुलिस ने कहा कि इस घटना में दो और लोग घायल हुए हैं।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

दिल्ली-एनसीआर में कोयले आधारित कारखानों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

इन्हें शिफ्ट करने और 300किसी के दायरे में नए प्लांट खोलने पर केंद्र से जवाब मांगा

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण पर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार से पूछा कि क्या कोयले से चलने वाले उद्योगों को एनसीआर से बाहर शिफ्ट किया जा सकता है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच ने दिल्ली से 300 किलोमीटर के अंदर नए कोयला आधारित पावर प्लांट खोलने पर रोक लगाने के प्रस्ताव पर सरकार से जवाब भी मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निर्माण और तोड़-फोड़ (डिमोलिशन) के काम से उड़ने वाली धूल को कैसे रोका जाए, इस पर भी सभी पक्ष अपनी राय दें। इसके लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने कुछ उपाय सुझाए हैं।

बेंच ने सभी पक्षों को 12 मार्च से पहले अपनी-अपनी रिपोर्ट और प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट में जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। कोर्ट ने कहा कि ध्त्त्रूके सुझावों के आधार पर 12 मार्च को गाड़ियों से होने वाले एयर पॉल्यूशन के मुद्दे की जांच करेगा।

कोर्ट के अन्य आदेश...

- कोर्ट ने कहा कि इन नोटिसों को ही आधिकारिक सूचना माना जाएगा। राज्यों को मिले सुझावों के आधार पर आगे का एक्शन प्लान भी कोर्ट में जमा करना होगा।
- कोर्ट ने पर्यावरण, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और ऊर्जा मंत्रालय से कहा कि वे मिलकर एक ऐसा प्रस्ताव तैयार करें, जिसमें एनसीआर के कोयला आधारित उद्योगों को धीरे-धीरे बंद करने की योजना हो।
- इस योजना में यह भी बताया जाए कि कौन-कौन से उद्योग प्रभावित होंगे, उन्हें कौन सा वैकल्पिक ईंधन दिया जा सकता है, और यह बदलाव किस तरह से और कितने समय में होगा।
- कोर्ट ने दिल्ली सरकार से भी कहा कि वह सीएक्यूएम की लंबे समय वाली सिफारिशों को लागू करने के लिए अपनी डिटेल योजना पेश करे।

मध्य प्रदेश में रोजगार सहायकों का नहीं होगा ट्रांसफर-टर्मिनेशन

हाईकोर्ट ने लगाई रोक, सरकार से 4 सप्ताह में जवाब मांगा, कलेक्टर-कमिश्नर को भी आदेश भेजा

राष्ट्रबाण | जबलपुर | एजेंसी | rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने सोमवार को ग्राम रोजगार सहायक मार्गदर्शिका 2025 पर भी रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने सरकार आदेश दिया है कि आगामी आदेश तक किसी भी रोजगार सहायक का ट्रांसफर और टर्मिनेशन नहीं होगा। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर 4 सप्ताह में जवाब मांगा है। अधिवक्ता गोपेश तिवारी ने बताया कि हाईकोर्ट ने सरकार की मार्गदर्शिका के क्रियान्वयन पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। यह आदेश मनरेगा कमिश्नर, प्रिंसिपल सेक्रेटरी, वल्लभ भवन और हर जिले के कलेक्टर को भेजा जा रहा है, ताकि कहीं भी रोजगार सहायक का ट्रांसफर ना हो सके।

मार्गदर्शिका पर टर्मिनेशन-ट्रांसफर नीति के खिलाफ याचिका

अधिवक्ता तिवारी के मुताबिक राज्य सरकार ने एक नई मार्गदर्शिका जारी कर रोजगार सहायकों के टर्मिनेशन और ट्रांसफर नीति निर्धारित की थी। हालांकि, इस नीति का क्रियान्वयन अभी तक प्रारंभ नहीं हुआ है। इसी बीच रोजगार सहायकों ने हाईकोर्ट में स्थानांतरण नीति और सेवा समाप्ति से संबंधित शर्तों को चुनौती दी थी। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने याचिका में सुनवाई की और मार्गदर्शिका 2025 पर रोक लगा दी।

रोजगार सहायकों को 18 हजार रुपए मानदेय

इस तरह रोजगार सहायकों का मासिक मानदेय बढ़ाकर 18 हजार रुपए प्रतिमाह कर दिया गया। अधिकांश रोजगार सहायकों की नियुक्ति उनके पैतृक या निवास ग्राम में ही की गई थी। भर्ती प्रक्रिया में कंप्यूटर संबंधी योग्यता को प्राथमिकता दी गई थी। चयन के लिए 12वीं कक्षा के प्राप्तांक और पीजीडीसीए जैसी कंप्यूटर डिग्री को आधार बनाया गया था। वर्तमान में भी अधिकांश रोजगार सहायक उसी ग्राम पंचायत में कार्यरत हैं, जहां उनकी नियुक्ति हुई थी। ग्रामीण स्तर पर कई ग्राम सचिवों को कंप्यूटर संचालन का अनुभव सीमित होने के कारण पंचायतों में डिजिटल कार्यों और ऑनलाइन प्रविष्टियों की जिम्मेदारी रोजगार सहायक ही निभा रहे हैं।

रोगायो लागू होने के बाद हुई थी रोजगार सहायकों की भर्ती

दरअसल, देश में रोजगार गारंटी योजना लागू होने के बाद ग्रामीण स्तर पर कार्यों की मॉनिटरिंग और मजदूरों का रिकॉर्ड रखने के लिए रोजगार सहायकों की भर्ती की गई। मध्य प्रदेश में उस वक्त शिवराज सिंह चौहान की सरकार थी। राज्य में लगभग 25 हजार पदों पर भर्ती की गई। प्रारंभिक चरण में रोजगार सहायकों को प्रतिमाह 9 हजार रुपए मानदेय निर्धारित किया गया था। बाद में सरकार ने यह महसूस किया कि निर्धारित मानदेय कार्य की तुलना में कम है। इसके बाद दो अन्य मदों के माध्यम से अतिरिक्त 9 हजार रुपए जोड़ दिए गए।

पश्चिम बंगाल की जनता के लिए पीएम ने लिखी चिट्ठी

सीएए का जिक्र, घुसपैठ पर लगाम; राज्य के विकास के साथ कानून-व्यवस्था पर बात रखी

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के नागरिकों के नाम हिंदी और बांग्ला भाषा में एक खुला पत्र लिखा है। इमसें उन्होंने सीएए का जिक्र करते हुए घुसपैठ पर लगाम, राज्य के विकास, कानून-व्यवस्था और कल्याणकारी योजनाओं के मुद्दों पर अपनी बात रखी है।

पीएम मोदी ने पत्र की शुरुआत जय मां काली के जयकारे के साथ की। उन्होंने लिखा- अब बस कुछ ही महीने में पश्चिम बंगाल का भाग्य सुनिश्चित हो जाएगा। आने वाली पीढ़ी का भविष्य किस दिशा में आगे बढ़ेगा, यह आपके सोचे-समझे फैसले पर निर्भर करता है।

उन्होंने लिखा कि मेरे सोनार बंगाल के सपने देखने वाला हर एक जवान, बूढ़ा और महिलाएं आज बहुत पीड़ा में हैं। उनकी पीड़ा से आज मेरा हृदय भी व्यथित है। इसलिए मैंने मन की गहराइयों से एक संकल्प लिया है, पश्चिम बंगाल को विकसित और समृद्ध बनाने का संकल्प।

उन्होंने आगे लिखा- पिछले 11 वर्षों में देशवासियों के आशीर्वाद को ताकत बनाकर मेरी सरकार ने जनकल्याण और समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। किसानों के कल्याण से लेकर युवाओं के सपनों को साकार करने तक, और मातृशक्ति के सशक्तिकरण से लेकर समाज के हर वर्ग तक, हमारी नीतियों और निरंतर प्रयासों के सकारात्मक परिणाम आज साफ दिखाई दे रहे हैं। राज्य सरकार के असहयोग और विरोध के बावजूद, आज पश्चिम बंगाल के करीब 5 करोड़ लोग 'जन-धन योजना' के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े हैं। 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत राज्य में 85 लाख शौचालयों का निर्माण किया गया है। जब राज्य की सत्ताधारी पार्टी गरीबों का निवाला छीन रही है, तब हमने छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को 2.82 लाख करोड़ रुपये का लोन देकर मदद का हाथ बढ़ाया है।

'अटल पेंशन योजना' के तहत 56 लाख वरिष्ठ नागरिकों को बुढ़ापे में आत्मनिर्भर बनाने का सौभाग्य मुझे मिला है। 'उज्ज्वला योजना' के माध्यम से 1 करोड़ से अधिक परिवारों को रसोई गैस देकर माताओं-बहनों को धुएं से मुक्ति दिलाकर मैं धन्य हूं।

जो किसान पूरे देश का पेट भरते हैं, आज पश्चिम बंगाल में वही अन्नदाता अपने परिवार का पेट पालने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे कठिन परिस्थिति में 'किसान सम्मान निधि' के जरिए 52 लाख से अधिक किसानों को सीधे आर्थिक सहायता देकर उनके चेहरे पर मुस्कान लाकर, मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं।

स्वतंत्रता के बाद पश्चिम बंगाल देश की अर्थव्यवस्था की दिशा तय करता था और औद्योगिक विकास में अग्रणी था। लेकिन आज इस गौरवशाली राज्य की जर्जर हालत देखकर मेरा मन व्यथित हो उठता है। पिछले छह दशकों के कुशासन और तुष्टिकरण की राजनीति के कारण पश्चिम बंगाल को जो अपूरणीय क्षति हुई है, उसे बयान नहीं किया जा सकता। स्वामी विवेकानंद और ऋषि अरविंद ने जिस बंगाल का सपना देखा था, वह आज वोट-बैंक की संकीर्ण राजनीति, हिंसा और अराजकता में जकड़ा हुआ है और यह हम सबके लिए अत्यंत पीड़ादायक है। पश्चिम बंगाल की धरती के सपूत नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 'आजादी के ललकार' ने कभी पूरे देश को प्रेरित किया था।

नेपाल- बस हाईवे से नदी में गिरी, 18 की मौत : 25 घायल, मरने वालों में 2 विदेशी

राष्ट्रबाण | काठमांडू | एजेंसी | rashtrabaan.in

नेपाल के धादिंग जिले में सोमवार देर रात एक बस हाईवे से नदी में गिर गई। नेपाली मीडिया के मुताबिक हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। मृतकों में एक पुरुष और एक महिला विदेशी नागरिक शामिल हैं। हालांकि, यह किस देश से थे और इनके नाम अभी सामने नहीं आए हैं। आर्म्ड पुलिस फोर्स के मुताबिक, अब तक 17 शव बरामद किए जा चुके हैं। बाद में एक अन्य यात्री की मौत की पुष्टि हुई, जिससे मृतकों का आंकड़ा 18 हो गया। हादसे में घायल लोगों को रेस्क्यू कर अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अब तक मृतकों और घायलों की पहचान नहीं हो सकी है।

बस पोखरा से काठमांडू की ओर जा रही थी, तभी किसी कारण ड्राइवर का बस से नियंत्रण खो गया और बस त्रिशूली नदी में जा गिरी। हादसा देर रात करीब रात 1:30 बजे धादिंग जिले के बेनिघाट रोरांग इलाके में हुआ। फिलहाल पुलिस हादसे की अन्य वजहों की भी जांच कर रही है।

हादसे के समय बस में 44 लोग सवार थे

मरने वालों में 12 पुरुषों और 6 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के समय बस में कुल 44 यात्री सवार थे।

घायल 26 यात्रियों को बचा लिया गया है। कुछ का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है, जबकि अधिकांश को आगे के इलाज के लिए काठमांडू रैफर कर दिया गया है।

राहुल इंडी अलायंस का नेतृत्व छोड़ें : मणिशंकर

ममता गठबंधन की लीडर बने, उमर अबदुल्ला बोले- राहुल ने बीजेपी से लड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी

राष्ट्रबाण | कोलकाता | एजेंसी | rashtrabaan.in

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने रविवार को कोलकाता में कहा कि ममता दीदी के बिना, इंडिया गठबंधन का 'आई', 'एन', 'डी', 'आई', 'ए' खत्म हो जाएगा। क्योंकि ममता बनर्जी इस गठबंधन की लीडर हैं। उनके साथ, दो-चार और लोग हैं जो यह जगह पा सकते हैं। मुझे लगता है कि राहुल गांधी को गठबंधन का नेतृत्व करने की बजाय छोटी पार्टियों को मौका देना चाहिए। फिर चाहे वह स्टालिन हों, ममता दीदी हों, अखिलेश हों, तेजस्वी हों, या कोई और राहुल गांधी को इन लोगों को जिम्मेदारी देनी चाहिए।

वहीं, जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक सावल के जवाब में कहा कि कोई यह नहीं कह सकता कि अय्यर को अपनी राय देने का हक नहीं है। लेकिन, जब फैसला होगा, तो वह इंडिया ब्लॉक लेगा और सभी दल इस पर चर्चा करेंगे। लीडरशिप के मुद्दे पर पहले इंडिय्रा ब्लॉक के अंदर ही चर्चा होनी चाहिए।

एचएएल का दावा- तेजस एयरक्राफ्ट क्रैश नहीं हुआ : मामूली खराबी थी

पहले खबर थी कि फाइटर जेट का ब्रेक फेल हुआ, रनवे से आगे निकला

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने सोमवार को इंडियन एयर फोर्स (आईएएफ) के फाइटर जेट तेजस के क्रैश की खबरों को गलत बताया है। एचएएल ने कहा है कि ग्राउंड पर एयरक्राफ्ट में मामूली तकनीकी गड़बड़ी हुई थी। हवा में ऐसा कोई हादसा नहीं हुआ है।

एचएएल ने बताया कि वह एयरफोर्स के साथ मिलकर तकनीकी गड़बड़ी की जांच कर रही है और उसे जल्द ठीक करेगी। कंपनी ने यह भी दावा किया कि तेजस का सेफ्टी रिकॉर्ड दुनिया के आधुनिक फाइटर जेट्स में सबसे बेहतर में से एक है। न्यूज एजेंसी ने रविवार देर रात सूत्रों के हवाले से दावा किया था कि 7 फरवरी को लैंडिंग के दौरान तेजस का ब्रेक फेल हो गया था। इसके कारण एयरक्राफ्ट रनवे से आगे निकल गया। हादसे से पहले पायलट सुरक्षित बाहर निकल गया लेकिन विमान को नुकसान पहुंचा है।

एजेंसी के मुताबिक, तेजस ट्रेनिंग उड़ान के बाद एयरबेस पर लौट रहा था। हालांकि, हादसा किस एयरबेस पर हुआ, एजेंसी ने इसकी जानकारी नहीं दी।

रोती महिला भक्त को समझाया- गुरु गड़बड़ निकल जाए तब रोना

अविमुक्तेश्वरानंद बोले- मैं भाग नहीं रहा, सामना करूंगा

राष्ट्रबाण | प्रयागराज | एजेंसी | rashtrabaan.in

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ बच्चों से यौन शोषण की एफआईआर होने के बाद प्रयागराज पुलिस ने जांच तेज कर दी है। प्रयागराज पुलिस की एक टीम ने हरदोई में पीड़ित के परिवार का बयान लिया है। दूसरी टीम सोमवार दोपहर पुलिस टीम वाराणसी पहुंची। टीम शंकराचार्य से पूछताछ कर सकती है। जरूरत पड़ने पर गिरफ्तार भी कर सकती है। इधर, सोमवार सुबह शंकराचार्य ने वाराणसी के आश्रम में वकीलों के साथ बैठक की। माना जा रहा, गिरफ्तारी से बचने के लिए वह हाईकोर्ट का रुख कर सकते हैं।

बैठक के बाद शंकराचार्य ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा- मैं कहीं भाग नहीं रहा। पुलिस का सामना करूंगा। जिन छात्रों के यौन शोषण का आरोप लगा है, वे मेरे गुरुकुल के नहीं हैं। जनता को यूपी पुलिस पर भरोसा नहीं। जहां भाजपा सरकार नहीं, उस राज्य की पुलिस से जांच कराई जाए।

वहीं, एक महिला सुबह अविमुक्तेश्वरानंद का आशीर्वाद लेने पहुंची। वह शंकराचार्य पर लगे आरोपों से भावुक हो गई और फूट-फूटकर रोने लगी। शंकराचार्य ने उसे समझाया। कहा- रोना तब, जब गुरु गड़बड़ निकले।

यूपी कांग्रेस ने मामले में प्रधानमंत्री मोदी को लेटर लिखकर निष्पक्ष जांच की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा, ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के विरुद्ध दर्ज 'पॉक्सो केस' से राजनीतिक प्रतिशोध की बू आती है। यह कार्रवाई तब हुई, जब शंकराचार्य ने कुंभ मेले की अव्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं को हुई परेशानियों पर प्रदेश सरकार से सवाल किए थे।

इससे पहले रविवार को पुलिस शिकायतकर्ता आशुतोष महाराज के साथ माघ मेला क्षेत्र पहुंची। उस स्थान का निरीक्षण किया, जहां शंकराचार्य का शिविर लगा था। पुलिस ने शिविर के आने-जाने के रास्तों और आसपास के इलाके का नक्शा तैयार किया। दरअसल, 24 जनवरी को आशुतोष महाराज ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की थी। उन्होंने माघ मेला-2026 और महाकुंभ-2025 के दौरान बच्चों के साथ यौन शोषण के आरोप लगाए थे। इसके बाद 8 फरवरी को उन्होंने पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए प्रयागराज की स्पेशल पॉक्सो कोर्ट में केस दायर किया।

मल्टीमीडिया डिज़ाइनर के रूप में करियर बनाने की पूरी जानकारी

अगर आप चित्रों के माध्यम से बात करना पसंद करते है, तो यह क्षेत्र आपके लिए उपयुक्त है, आप एक चित्र के माध्यम से अपने बहुत से शब्दों लोगों को आसानी से समझा सकते है, इसलिए इस क्षेत्र में छात्र के अंदर चित्रों के माध्यम से संदेशों को व्यक्त करने की रचनात्मक क्षमता होनी चाहिए, मल्टीमीडिया डिजाइनिंग में छात्र किसी भी अच्छी न लगने वाली फोटो को अपने कौशल के माध्यम से उस फोटो को सुन्दर बना सकते है, अधिक वजन लगने वाले व्यक्ति की फोटो को पतले लगने वाले व्यक्ति की फोटो में बादल सकते है।

मल्टीमीडिया डिज़ाइनर

मल्टीमीडिया डिज़ाइन एक बहुत बड़ा क्षेत्र है, इसमें डिज़ाइनर्स रचनात्मक ग्राफिक्स बनाने के अतिरिक्त वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन के अनुकूल इंटरफेस बनाने में सक्रिय रहते हैं, इसके द्वारा वेबसाइट पर दर्शकों को उपलब्ध जानकारी को नेविगेट करने में सहायता भी मिलती है। यह भी मल्टीमीडिया डिज़ाइनर के रूप में करियर बनाने की योग्यता

मल्टीमीडिया डिज़ाइनर बहुत ही क्रिएटिव व्यक्ति होता है, वह अपने विचारों को मल्टीमीडिया पर चित्रों के रूप में परिवर्तित करते है, आज के इस डिजिटल समय में सब कुछ सॉफ्टवेयर के द्वारा बनाया जाता है, इसलिए मल्टीमीडिया डिज़ाइनर को तकनीक का अच्छा नॉलेज होना चाहिए, तकनीक में प्रयोग होनें वाले सॉफ्टवेयर जैसे एडोब फोटोशॉप, इनडिज़ाइन, कोरल ड्रा इत्यादि का नॉलेज अच्छे से होना आवश्यक है, इसके अतिरिक्त उसे टूल्स का रचनामत्क उपयोग करना आना चाहिए।

मल्टीमीडिया डिजाइनर के कार्य

मल्टीमीडिया डिजाइनर को अपने रचनात्मक कौशल के द्वारा अच्छी डिजाइन और सहज ज्ञान से युक्त इंटरफेस बनाने का कार्य करना होता है, जो आकर्षक होनें के साथ-साथ अन्य लोगों के लिए समझने में पर्याप्त रूप से सरल होना चाहिए, एक मल्टीमीडिया डिज़ाइनर के रूप में डिजाइन के सही रंग, चित्र, पाठ शैली और ले-आउट चुनना आदि तक विस्तृत है।

मल्टीमीडिया डिजाइनर के क्षेत्र मे रोजगार के अवसर

वर्तमान समय में मल्टीमीडिया डिजाइनर के रूप में रोजगार के अवसर में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है, इसमें कॉलेज में एक पोस्टर बनाने, शादी का कार्ड बनाने तथा एक वेबसाइट या मोबाइल ऐप बनाने में मल्टीमीडिया डिजाइनर की आवश्यकता होती है, इसलिए मल्टीमीडिया डिज़ाइनर के लिए नौकरी के बहुत से ऑप्शन होते है।

वेतन

मल्टीमीडिया डिज़ाइनर के रूप में आप शुरुआत में 18000 रुपये से 20000 रुपये तक की सैलरी प्राप्त कर सकते है, अगर आप इस कार्य में अधिक अनुभव रखते है और किसी अच्छी कम्पनी में कार्यरत है, तो आप आसानी से प्रति वर्ष 10 से 12 लाख रुपये भी कमा सकते है। जो की आपकी कार्य क्षमता पर निर्भर करता है।

अकाउंटिंग और ऑडिटिंग फील्ड में करियर कैसे बनाएं

अकाउंटिंग फील्ड मे आपको किसी संस्था में रोजा के लेन-देन का हिसाब रखना होता है और ऑडिटिंग के अंतर्गत आपको संस्था की अकाउंटिंग बुक्स की समीक्षा करनी होती है, अधिकतर कंपनी अपने यहाँ अकाउंटिंग के लिए जॉब निकलती है, लेकिन अकाउंटिंग के कार्य कि जाँच किसी अन्य व्यक्ति या संस्था से करवाते है, उसे ही ऑडिटिंग कहा जाता है, भारत में कंपनी अधिनियम के अनुसार किसी कंपनी का आडिट केवल चार्टर्ड एकाउंटेंट के द्वारा ही हो सकता है, इसलिए चार्टर्ड एकाउंटेंट का पद बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है, अकाउंटिंग और ऑडिटिंग फील्ड में करियर बनाने की सम्पूर्ण जानकारी

सरकारी क्षेत्र में अवसर

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा इसके लिए हर वर्ष नोटिफिकेशन जारी किया जाता है, जिसके माध्यम से आप सरकारी नौकरी प्राप्त कर सकते है, एसएससी की परीक्षा के बाद अगर आपका चयन होता है, तो आपको सार्वजनिक क्षेत्रों के बैंकों, आयकर या सीमा शुल्क कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र की किसी भी इकाई जैसे बिजली बोर्ड आदि में आपको ज्वाइनिंग मिल सकती है।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र मे करियर बनाने के लिए अभ्यर्थी को 12वीं कक्षा पास होना आवश्यक है, इसके पश्चात् आप बैचलर या डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश प्राप्त कर सकते है।

प्रवेश प्रक्रिया

इसके लिए कुछ विश्वविद्यालय और कॉलेज 12वीं की परीक्षा में प्राप्त अंको के आधार पर मेरिट बना कर प्रवेश देते है, और कुछ कॉलेज प्रवेश परीक्षा, ग्रुप डिस्कशन व साक्षात्कार के बाद प्रवेश देते हैं।

ऑडिटिंग के प्रसिद्ध सर्टिफिकेशन

आईसीएआई सर्टिफिकेशन (भारत)

12वीं की परीक्षा के बाद आप चार्टर्ड अकाउंटेंट बननें के लिए कॉमन प्रोफिशिएंसी टेस्ट (सीपीटी) दे सकते है, इस परीक्षा का आयोजन वर्ष में दो बार किया जाता है, पहली बार यह जून महीनें में और दूसरी बार दिसंबर महीनें में आयोजित की जाती है, कॉमर्स संकाय से स्नातक उत्तीर्ण छात्र 55 प्रतिशत तथा साइंस व आर्ट्स ग्रेजुएट के छात्रों को 60 फीसदी अंक सीपीटी परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए अनिवार्य है।

सर्टिफाइड इंटरनल ऑडिटर (सीआईए)

वैश्विक स्तर पर एक ऑडिटर के रूप में कार्य करने के योग्य होने के लिए एक अकाउंटेंट के पास यह सर्टिफिकेशन होना आवश्यक है, यह सर्टिफिकेशन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनल ऑडिटर्स (आईआईए) द्वारा कराया जाता है।

सीआईए के लिए योग्यता

अभ्यर्थी को स्नातक पास होना आवश्यक है, इसकी समय अवधि चार साल की होती है, इसकी सभी परीक्षाओं को इस अवधि में पास होना आवश्यक है, इसको सफलता पूर्वक पास होने के बाद आपको दो वर्ष का इंटरनल ऑडिट में अनुभव प्राप्त करना होगा है, यदि अभ्यर्थी एमकॉम उत्तीर्ण है, तो उसके लिए केवल एक वर्ष का अनुभव अनिवार्य है।

ऑडिटिंग में जॉब के अवसर

भारत में ऑडिटिंग के जॉब आपके पास इंटरनल ऑडिटर, एक्सटर्नल ऑडिटर, गवर्नमेंट ऑडिटर, फॉरेंसिक ऑडिटर के रूप में प्राप्त होते है, यह अवसर आपको मेन्युफैक्चरिंग सेक्टर, इंश्योरेंस व बैंकिंग सेक्टर, कॉर्पोरेट, पब्लिक सेक्टर, एनजीओ आदि में आसानी से प्राप्त हो सकते है।

अकाउंटेंसी के प्रमुख सर्टिफिकेट

अकाउंटेंसी के क्षेत्र में प्रमुख सर्टिफिकेट इस प्रकार है जो आपको नीचे समझाये गए है।

एसोसिएशन ऑफ चार्टर्ड सर्टिफाइड अकाउंटेंट्स

अकाउंटेंसी के क्षेत्र में प्रवेश के लिए एसीसीए सर्टिफिकेट को पासपोर्ट माना जाता है, जिसके माध्यम से आप इस क्षेत्र में आसानी से प्रवेश ले सकते है, इस सर्टिफिकेट के द्वारा छात्र अकाउंटिंग और फाइनेंस मैनेजर के रूप में कार्य कर सकते है।

एसीसीए के लिए योग्यता

12वीं की परीक्षा पास करने के बाद आप इसमें प्रवेश प्राप्त कर सकते है, इसकी अवधि तीन साल की है, कॉमर्स संकाय से पास छात्र के लिए इसकी अवधि दो से ढाई साल की होती है, इस सर्टिफिकेट के माध्यम से आप मैनेजमेंट अकाउंटिंग एग्जीक्यूटिव, अकाउंट एग्जीक्यूटिव, क्रेडिट असिस्टेंट, असिस्टेंट फ्यूचर्स ट्रेड, असिस्टेंट टैक्स ऑफिसर आदि पदों पर कार्य कर सकते है।

सर्टिफाइड मैनेजमेंट अकाउंटेंट (सीएमए)

सीएमए सर्टिफिकेट विश्व स्तर पर मान्य है, इसको करने के बाद आप किसी मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब प्राप्त कर सकते है, इसके माध्यम से आप किसी भी बहुराष्ट्रीय कंपनी के वित्तीय रिकॉर्ड को चेक कर सकते है, इस सर्टिफिकेट को इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अकाउंटेंट द्वारा सीएमए (अमेरिका) के लिए जारी किया जाता है, इसकी अवधि छः महीने की होती है भारत के लिए यह सर्टिफिकेट इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया जारी करता है, इस कोर्स की अवधि तीन से लेकर चार साल की होती है।

शैक्षिक योग्यता की जानकारी

स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण होने के बाद इसके साथ अतिरिक्त कोर्स के रूप में फाइनेंस और अकाउंटिंग में डिग्री होनी चाहिए, इसके लिए दो वर्ष का अनुभव आवश्यक है।

पदों की जानकारी

फाइनेंस मैनेजर, अकाउंटिंग मैनेजर, बजटिंग मैनेजर, इंटरनल ऑडिटर, इनवेस्टमेंट मैनेजर, कॉस्टिंग और फाइनेंशियल मैनेजर आदि।

सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट (सीपीए)

यह सर्टिफिकेट अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त है, इस कोर्स को सीए व समकक्ष कोर्स वाले,एमकॉम और एमबीए किए हुए अभ्यर्थी कर सकते है, इस कोर्स में स्नातक और परास्नातक के आधार पर क्रेडिट आवर्स निर्धारित किये जाते है, अधिकतर राज्यों में बीकॉम के आधार को स्वीकार्य नहीं किया है, इसकी अवधि एक वर्ष छः महीनें की होती है, अभ्यर्थी को इसके अंदर परीक्षा पास करनी आवश्यक है।

सॉफ्टवेयर्स का ज्ञान

अभ्यर्थी को छोटी कम्पनी में कार्य करने के लिए ईआरपी, टैली, क्विकबुक्स जैसे सॉफ्टवेयर का प्रयोग करना आना चाहिए, बड़ी कंपनियों में जोहोबुक्स, बिजी, मार्ग जैसे सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जाता है, इसलिए यदि आपको इन सॉफ्टवेयर का सही से ज्ञान है, तो आपको जॉब मिलनें की संभावना अधिक हो जाती है।

वेतन

इस क्षेत्र में अच्छी डिग्री प्राप्त करने के बाद अच्छा अनुभव होना आवश्यक है, इसके बाद आपके पास जॉब के बहुत से अवसर होंगे, भारत में एक ऑडिटर का वेतन लगभग तीन से चार लाख रुपये प्रतिवर्ष तक होता हैं, अकाउंटेंट के रूप में आप दो से साढ़े तीन लाख रुपये प्रतिवर्ष तक आसानी से प्राप्त कर सकते है, यह वेतन पद और अनुभव के आधार पर बढ़ता रहता है।

ऑडियोलॉजी में करियर बनाने की पूरी जानकारी

ऑडियोलॉजी दो शब्दों से मिलकर बना हुआ है, ऑडियोलॉजी शब्द में 'ऑडियो' का अर्थ 'सुनना' और 'लॉजी' का अर्थ 'अध्ययन' होता है, ऑडियोलॉजी में कान से सम्बंधित रोगों का उपचार किया जाता है, ऑडियोलॉजी चिकित्सा विज्ञान और तकनीक का सम्मिलित रूप है, इसकी सहायता से लोगों में सुननें की समस्या का निष्कर्ष निकाला जाता है, ऑडियोलॉजी में करियर बनाने की सम्पूर्ण जानकारी आपको इस पोस्ट मे विस्तार से बताई गई है।

योग्यता

इस क्षेत्र में प्रवेश लेने के लिए उम्मीदवार का 12वीं की परीक्षा जीव विज्ञान विषय के साथ पास होना आवश्यक है, स्नातक स्तर में अभ्यर्थी को तीन वर्ष अध्ययन करना होता है, इस कोर्स में सम्मिलित होनें के लिए कॉलेज द्वारा प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाता है, इसको पास करनें के बाद आपके प्राप्त अंको की मेरिट के आधार पर आपका प्रवेश निश्चित होता है।

अभ्यर्थी में व्यक्तिगत गुण

आपको बता दे की इस क्षेत्र मे कार्यर बनाने के लिए अभ्यर्थी को इसमें विज्ञान के माध्यम से प्रति दिन हो रहे नए सुधार के प्रति आवश्यक जानकारी होनी चाहिए, ऑडियोलॉजी ईएनटी (ईयर, नोज एंड थ्रोट) डिपार्टमेंट का ही एक भाग होता है, इसलिए अभ्यर्थी को एक टीम वर्क में कार्य करना आना चाहिए।

रोजगार के अवसर क्या है

इस क्षेत्र में आप सरकारी और प्राइवेट अस्पताल, चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर्स, प्री स्कूल, काउंसिलिंग सेंटर्स, फिजिकल मेडिसिन ऐंड रिहैबिलिटेशन सेंटर्स, एनजीओ इत्यादि में आसानी से जॉब कर सकते है, इसके अतिरिक्त आप ऑडियोलॉजी ऐंड स्पीच थेरेपी से संबंधित कोर्स करने के पश्चात आप स्वयं का क्लीनिक खोल कर अपनी इनकम भी कर सकते है, इससे सम्बंधित रोजगार के अवसर विदेशों में भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

ऑडियोलॉजी में करियर बनाने के कोर्स

- बैचलर ऑफ स्पेशल एजुकेशन (हियरिंग इम्पेयरमेंट)
- बीएससी इन स्पीच ऐंड हियरिंग
- बीएससी इन ऑडियोलॉजी (स्पीच ऐंड लैंग्वेज)
- एमएससी (स्पीच पैथोलॉजी ऐंड ऑडियोलॉजी)

सर्टिफिकेट कोर्स

ऑडियोलॉजी ऐंड स्पीच थेरेपी की समय अवधि तीन वर्ष की होती है, यह डिग्री सफलता पूर्वक करने के बाद आप इसमें परास्नातक कोर्स भी कर सकते है, इसमें डिग्री और डिप्लोमा के अतिरिक्त छः महीनें का सर्टिफिकेट कोर्स होता है, आप कम समय में इसे भी कर सकते है, इसके अन्तर्गत आपको एनाटोमी, काउसिलिंग, हियरिंग डिसऑर्डर, न्यूरोलॉजी ड न्यूरो साइकोलॉजी, साइकोलॉजी, स्टैटिस्टिक्स विषयों का अध्ययन कराया जाता है।

वेतन

इस क्षेत्र में आपको एक फ्रेशर के रूप में 15 हजार रुपए आसानी से मिल जाएंगे और फिर जैसे-जैसे आपका अनुभव अधिक बढ़ने पर यह वेतन भी अधिक हो सकता है, यह आपके संस्थान के ऊपर भी निर्भर करता है, संस्थान का स्टेटस जितना अच्छा होगा, आपको सैलरी उतनी ही अधिक मिलेगी।

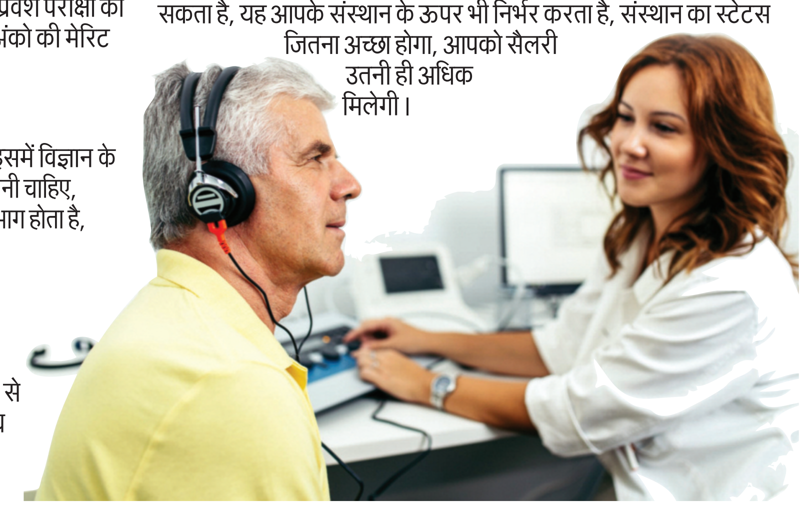

राष्ट्रबाण
सिवनी, मंगलवार 24 फरवरी 2026

बैतूल राष्ट्रबाण

● मुलताई ● बैतूल बाजार ● आमला ● भैंसादंड ● सारणी ● बोरदई ● आठनेर

एक वर्ष पूर्व प्रस्तुत सामुदायिक वनाधिकार दावा पत्रों पर आज तक नहीं हुई कार्रवाई

मंत्रालय के स्पष्ट निर्देशों के बाद भी प्रमाण पत्र जारी नहीं, बैठकें कागजों तक सीमित

ताप्ती मेघा रिचार्ज और कंज़र्वेशन रिजर्व योजनाओं के विरोध में 26 फरवरी को आंदोलन

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

जयस प्रदेश संयोजक जामवन्त सिंह कुमरे ने आरोप लगाया कि भीमपुर और चुनालोमा के आदिवासी देवस्थलों से जुड़े सामुदायिक वनाधिकार दावा पत्र एक वर्ष बाद भी लंबित हैं, जबकि प्रशासन त्वरित निराकरण के दावे कर रहा है।

जयस प्रदेश संयोजक जामवन्त सिंह कुमरे ने आरोप लगाया है कि एक वर्ष पूर्व प्रस्तुत किए गए सामुदायिक वनाधिकार दावा पत्रों पर आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जबकि प्रशासनिक बैठकों के दावे लगातार किए जा रहे हैं।

जामवन्त सिंह कुमरे ने कहा कि भीमपुर के आरक्षित वन भूमि स्थित प्राचीन आदिवासी देवस्थल मुठवा देव, वनखंड क्रमांक 1460 के लिए ग्राम सभा से प्रस्ताव पारित कर एक हेक्टेयर भूमि का सामुदायिक वनाधिकार दावा पत्र एक वर्ष पूर्व प्रस्तुत किया गया था। इसके बावजूद आज दिनांक तक प्रकरण लंबित है और संबंधित विभागों द्वारा कोई निर्णय नहीं लिया गया।

चुनालोमा के खंडरई बाबा स्थल पर अतिक्रमण

उन्होंने बताया कि चुनालोमा में आदिवासी देवस्थल मेघनाथ (खंडरई) बाबा पर प्रतिवर्ष पूजा और मेला आयोजित होता है तथा खंडरई की परिक्रमा की परंपरा है। वर्षों से स्थल पर अतिक्रमणकारी का कब्जा बना हुआ है, जिसे हटाने की कार्रवाई नहीं की गई है और न ही सामुदायिक वनाधिकार का प्रमाण पत्र जारी किया गया है।

होली से पहले भी नहीं हुई कार्रवाई

दोनों प्रकरणों में प्रस्ताव दिए जाने के बावजूद कार्रवाई नगण्य है, जबकि फाल्गुन और होली के त्योहार में आदिवासी आस्था के अनुरूप मेला आयोजित होना है। प्रशासन की चुप्पी को उन्होंने धार्मिक भावनाओं से सीधा खिलवाड़ बताया।

- जांच और जवाबदेही की मांग

जामवन्त सिंह कुमरे ने आरोप लगाया कि उच्च अधिकारी कभी मूल स्थल पर पहुंचकर जांच नहीं करते और लिखित प्रतिउत्तर मांगने पर भी जवाब नहीं दिया जाता। दूसरी ओर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध दर्ज होने योग्य एफआईआर आज तक पुलिस विभाग द्वारा दर्ज नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक खंडरई बाबा, चुनालोमा के फाल्गुन मेले और विशेष पूजा में लगातार बाधाएं आ रही हैं, जिनका निराकरण तत्काल किया जाना चाहिए।

- 26 को होगा आंदोलन

श्री कुमरे ने बताया आदिवासियों की जमीनों पर ताप्ती मेघा रिचार्ज और ताप्ती कंज़र्वेशन रिजर्व जैसी नई योजनाओं के तहत संभावित विस्थापन, वन विभाग के कब्जे, व्यक्तिगत वनाधिकार प्रकरणों के लंबित निराकरण, कृषि संबंधी समस्याओं और बिजली समस्याओं की अनदेखी से किसानों में आक्रोश है। जयस एवं समस्त आदिवासी और सर्वसमाज के बैनर तले 26 फरवरी को आंदोलन कर प्रमुख मांगों को किसान हित में शीघ्र पूरा करने की मांग की जाएगी।

मंत्रालय के निर्देशों का हवाला

जामवन्त सिंह कुमरे ने वन विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल के पत्र क्रमांक एफ 25-43/2006/10-3/1424 दिनांक 25 जुलाई 2024 का उल्लेख करते हुए कहा कि वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि राजस्व ग्राम के बाजीबुल अर्ज एवं निस्तार पत्रक से छांटकर वन भूमियों पर परंपरागत रूप से कायम रूढ़ी या निस्तार अधिकार जैसे रास्ते, चरनोई, गौठान, धार्मिक स्थल, श्मशान घाट, मड़ई मेले, खेल मैदान, सामुदायिक हाट और जलाशय को राजस्व अभिलेख, अधिकार अभिलेख एवं खसरा पंजी में दर्ज कर दखल रहित सामुदायिक भूमि का हक प्रमाण पत्र जारी किया जाए।

जिला स्तरीय बैठकों पर उठे प्रश्न

उन्होंने कहा कि इन प्रकरणों के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तर पर बैठकें आयोजित होती हैं, लेकिन परिणाम शून्य है। उनके अनुसार बैठकें केवल कागजों में सीमित हैं और आदिवासियों के नाम पर अखबारों में बयान देना मात्र औपचारिकता बनकर रह गया है।

मंदिर के पास सांस्कृतिक मंच के नाम पर विधायक निधि के दुरुपयोग का आरोप

- लीलाझर में शिवलिंग स्थानांतरण से धार्मिक भावना आहत, अनुच्छेद 25 के उल्लंघन की शिकायत
- सीएम हेल्पलाइन से मानवाधिकार आयोग तक पहुंचा मामला, उच्च स्तरीय जांच की मांग

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

आमला ब्लॉक की ग्राम पंचायत लीलाझर में हनुमान मंदिर के समीप सांस्कृतिक मंच निर्माण में वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाते हुए शिकायतकर्ता ने सीएम हेल्पलाइन और मध्य प्रदेश मानवाधिकार आयोग में शिकायत दर्ज कर उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। आरोप है कि हनुमान मंदिर के पास सांस्कृतिक मंच निर्माण के नाम पर विधायक निधि से राशि आहरित कर ली गई, जबकि स्थल पर कोई स्पष्ट मंच जैसा ढांचा निर्मित नहीं है।

शिकायत में कहा गया है कि विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि का उपयोग धार्मिक ढांचे के निर्माण या विस्तार के लिए वर्जित है, इसके बावजूद मंदिर की पूर्व संरचना में परिवर्तन कर लगभग 10म30 फीट क्षेत्र में निर्माण किया गया और कार्य अधूरा छोड़ दिया गया।

ग्रामीणों का आरोप है कि बिना जन-सहमति प्राचीन शिवलिंग का स्थान परिवर्तन किया गया, जो धार्मिक परंपराओं के विपरीत है। इसे भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन बताया गया है। मंदिर के कपाट अधूरे होने से आवारा पशुओं के प्रवेश और गंदगी की स्थिति ने भी नाराजगी बढ़ाई है।

शिकायतकर्ता ने मध्य प्रदेश मानवाधिकार आयोग से भी शिकायत कर विधायक निधि के इस कथित नियम विरुद्ध आवंटन और व्यय की उच्च स्तरीय जांच, गबन की गई राशि की वसूली कर दोषियों पर दंडात्मक कार्रवाई और सांस्कृतिक मंच का निर्माण किसी अन्य उपयुक्त सार्वजनिक स्थान पर करने की मांग की है।

कांग्रेस के नवागत ब्लाक अध्यक्ष रूठों को मनाने में जुटे

सारणी | संवाददाता
rashtrabaan.in

सारनी में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और नाराज कार्यकर्ताओं की नाराजगी दूर करने की कवायद तेज हो गई है। नवनियुक्त सारनी मंडल अध्यक्ष अब संगठन को एकजुट करने के मिशन में सक्रिय रूप से जुट गए हैं। रविवार को ब्लॉक अध्यक्ष बटेश्वर भारती और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर कई पदाधिकारियों के दुकान एवं आवास पर पहुंचकर उनकी नाराजगी के कारणों को समझने का प्रयास किया।इस दौरान ब्लाक अध्यक्ष ने नाराज कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों से अवगत कराते हुए संगठनात्मक एकता की आवश्यकता पर जोर दिया।उन्होंने स्पष्ट कहा कि वर्तमान समय कांग्रेस के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और ऐसे दौर में आपसी मनमुटाव, क्षेत्रवाद,भाषा या जाति के आधार पर विभाजन पार्टी को कमजोर कर सकता है।

उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि यदि कार्यकर्ता और पदाधिकारी अब भी आपसी मतभेदों में उलझे रहे तो कांग्रेस के पतन को रोक पाना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए सभी को व्यक्तिगत मतभेद भुलाकर एक बैनर के नीचे संगठित होकर काम करना होगा।ब्लॉक अध्यक्ष ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और बैतूल जिला कांग्रेस अध्यक्ष निलय डागा के मार्गदर्शन तथा कांग्रेस संविधान के अनुसार संगठन कार्य कर रहा है। इसके बावजूद यदि कोई पदाधिकारी या कार्यकर्ता पार्टी लाइन के विपरीत गतिविधियों में शामिल पाया जाता है या मनमुटाव बनाए रखता है,तो उसे संगठन को नुकसान पहुंचाने वाला माना जाएगा। हालांकि उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे व्यक्तिगत रूप से हर नाराज कार्यकर्ता और पदाधिकारी से संवाद कर उन्हें मनाने का प्रयास करेंगे। हालांकि, समझाइश के बाद भी यदि कोई पार्टी हित में कार्य नहीं करता है,तो इसकी जानकारी जिला और प्रदेश नेतृत्व तक भेजी जाएगी।सारनी ब्लॉक अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि जल्द ही सारनी ब्लॉक के सभी कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी एकजुट होकर संगठन को मजबूती देने के लिए साथ खड़े दिखाई देंगे।

सिविल के काम में इलेक्ट्रिकल को मर्ज कर निकाला टेंडर

सारनी। वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड पाथाखेड़ा क्षेत्र में सिविल विभाग की मनमानी सामने आई है। यहां 38 लाख 31 हजार 231 रुपए के रिनोवेशन एंड रिपेयर ऑफ़ एरिया हॉस्पिटल के टेंडर में इलेक्ट्रिकल वर्क मर्ज कर दिया है। इससे टेंडर की प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं। दरअसल डब्ल्यूसीएल के ई एंड एम द्वारा निकाले जाने वाले 2 लाख से अधिक के टेंडर में एक्सपीरियंस, वर्क कंपलीशन, इलेक्ट्रिकल लाइसेंस और तार मिस्त्री जैसे लाइसेंस की मांगे जाते हैं। जबकि करीब 15 लख रुपए के इलेक्ट्रिकल वर्क को सिविल वर्क में मर्ज कर टेंडर फ्लोट कर दिया गया है। इसीलिए इस प्रक्रिया पर सवाल उठना भी लाजमी है। दबी जुबा से कंपनी के ठेकेदार बताते हैं कि व्यक्ति विशेष को लाभ पहुंचाने यह टेंडर निकाला गया है। अन्यथा सिविल वर्क में इलेक्ट्रिकल वर्क कभी भी मर्ज नहीं किया जाता। इस टेंडर में समझने वाली बात यह है कि सीरियल नंबर 1 से लेकर 31 तक सिविल वर्क है। जबकि सीरियल नंबर 35 से 52 तक इलेक्ट्रिकल वर्क है।

रैशनल यूज़ ऑफ ब्लड एंड ब्लड कंपोनेंट्स पर सीएमई का आयोजन

स्वास्थ्य विभाग और आईएमए का संयुक्त आयोजन

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश शासन, स्वास्थ्य विभाग एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में होटल ग्रीन पार्क में सीएमई का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से स्टेट ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल मध्य प्रदेश की डिप्टी डायरेक्टर डॉ रूबी खान उपस्थित थी। उनके अलावा विशेषज्ञ के रूप में पाढर हॉस्पिटल की एमडी पैथोलॉजी डॉक्टर लिसा चौधरी ने रैशनल यूज़ ऑफ ब्लड एंड ब्लड कंपोनेंट्स विषय पर प्रकाश डाला।

डिप्टी डायरेक्टर डॉ रूबी खान ने बताया कि वर्तमान में संपूर्ण ब्लड की बजाय कंपोनेंट थेरेपी को प्राथमिकता दी जाती है, ताकि मरीज को आवश्यकता अनुसार ही संबंधित घटक दिया जा सके।

उन्होंने बताया कि ब्लड को मुख्य रूप से पैक्ड रेड ब्लड सेल्स, फ्रेश फ्रोजन प्लाज़्मा, प्लेटलेट्स और क्रायोप्रेसिपिटेट में विभाजित किया जाता है। पैक्ड रेड ब्लड सेल्स का उपयोग गंभीर एनीमिया, प्रसव के दौरान अधिक रक्तस्राव, सर्जरी या दुर्घटना के मामलों में किया जाता है। इसे 2 से 8 डिग्री सेल्सियस तापमान पर लगभग 35 से 42 दिनों तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

फ्रेश फ्रोजन प्लाज़्मा का उपयोग रक्त के थक्के बनने से संबंधित विकारों में किया जाता है। इसे माइनस 30 डिग्री सेल्सियस या उससे कम तापमान पर एक वर्ष तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

प्लेटलेट्स डेंगू, कीमोथेरेपी या प्लेटलेट्स की कमी वाले मरीजों को दिए जाते हैं। इन्हें 20 से 24 डिग्री सेल्सियस पर पांच दिनों तक संरक्षित किया जाता है।

क्रायोप्रेसिपिटेट का उपयोग फाइब्रिनोजेन की कमी या विशेष रक्त विकारों में किया जाता है।

डॉ रूबी खान ने बताया कि ट्रांसफ्यूजन के दौरान सावधानी बरतें ब्लड बैंक से कंपोनेंट इशू होने के बाद 30 मिनट के भीतर मरीज को चढ़ाना शुरू कर देना चाहिए, ताकि संक्रमण या अन्य जटिलताओं का खतरा न रहे। ट्रांसफ्यूजन से पहले मरीज की पहचान, ब्लड ग्रुप और क्रॉस मैच की पुष्टि करना अनिवार्य है।

डॉ लिसा चौधरी ने बताया कि स्थिर मरीजों में हीमोग्लोबिन 7 ग्राम प्रति डेसीलीटर या उससे कम होने पर रक्त चढ़ाने पर विचार किया जाता है, जबकि हृदय रोग, लक्षणयुक्त एनीमिया या सर्जरी की स्थिति में यह सीमा 8 से 9 ग्राम तक हो सकती है। इस मौके पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे, विधायक प्रतिनिधि स्वास्थ्य डॉ.अशोक बारंगा, सीएमएचओ डॉ मनोज हुरमाड़े, सिविल सर्जन डॉ जगदीश घोरे, रक्त कोष अधिकारी एवं सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रम की जिला नोडल अधिकारी डॉ.अंकिता सीते, डॉ मनीष लश्करे, डॉ दीप्ति राठी, डॉ दीप साहू सहित बड़ी संख्या डाक्टर मौजूद थे।

पूर्व विधायक प्रतिनिधि पर आदिवासी युवक से मारपीट और जातिगत अपमान का आरोप

कार्रवाई नहीं हुई तो ब्लॉक में उग्र आंदोलन की चेतावनी

युवा कांग्रेस ने चौकी प्रभारी को आवेदन देकर एट्रोसिटी एक्ट में एफआईआर की मांग की

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

थाना रानीपुर अंतर्गत पुलिस चौकी घोड़ाडोंगरी क्षेत्र के इमली मोहल्ला में 21 फरवरी को दोपहर करीब 3 बजे शासकीय नल जल योजना के कार्य स्थल पर आदिवासी श्रमिक विकास कुमरे पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। इस संबंध में युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों ने चौकी प्रभारी को आवेदन सौंपकर भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक प्रतिनिधि विवेक जैन के विरुद्ध अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (नृशंसता निवारण) अधिनियम तथा भारतीय दंड संहिता की सुसंगत धाराओं में तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है।

आवेदन में बताया गया कि कार्य के दौरान सड़क पर ट्रैक्टर खड़ा होने की बात को लेकर विवाद हुआ। आरोप है कि विवेक जैन अपनी कार से उतरकर विकास कुमरे को मां-बहन की अश्लील गालियां देते हुए उसकी जाति को लक्षित कर सार्वजनिक रूप से अपमानित करने लगे। इसके बाद उन्होंने हॉकी के डंडे से हमला कर दिया, जिससे विकास कुमरे के दाहिने पैर और बाएं कंधे पर चोट आई है।

युवा कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि विवेक जैन अपनी राजनीतिक पहुंच का दुरुपयोग कर क्षेत्र में गरीबों और आदिवासियों का शोषण करते हैं तथा ऊंच-नीच और छुआछूत की भावना रखते हुए आए दिन मारपीट और गाली-गलौज कर दहशत फैलाते हैं। संगठन ने इसे कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बताते हुए आरोपित का वकालत लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की भी मांग की है।

ज्ञापन देने वालों में युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष संजय यादव, जिला प्रभारी अक्षय जायसवाल, सह प्रभारी अर्पित तिवारी, प्रदेश महासचिव जितेंद्र सिंह इवने, दिगंबर पारधी, विधानसभा अध्यक्ष धर्मेंद्र भलावी, ब्लॉक अध्यक्ष रुपेश औरवंशी, रिंकू वर्मा, मुकेश मोहबिया, राजा इमरान खान, महेश सोनी, राजेश यादव, संतोष होते, पप्पू यादव, कैलाश यादव, सोनू धुर्वे, रामकरण यादव, संजू परते, पूरन उईके, महेंद्र उईके, रोहित राजपूत, अजय ठाकुर, सौरभ इवने सहित समस्त युवा कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हैं।

शिव-कामाख्या मंदिर भूमि विवाद में एफआईआर दर्ज करने की मांग

बैतूल | संवाददाता
rashtrabaan.in

ग्राम सावंगी में सार्वजनिक शिव-कामाख्या मंदिर की भूमि को लेकर विवाद ने तूल पकड़ लिया है। मंदिर निर्माण से जुड़े रविन्द्र मानकर ने थाना आठनेर में लिखित आवेदन देकर अनावेदक रघुनाथ गीता मानकर एवं उनके सहयोगियों पर अतिक्रमण, धार्मिक कार्यों में बाधा, भीड़ एकत्र कर धमकाने, झूठे आरोप लगाकर छवि धूमिल करने तथा सामाजिक वैमनस्य फैलाने के आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

रविन्द्र मानकर के अनुसार वे निजी संसाधनों और श्रद्धालुओं के सहयोग से सार्वजनिक शिव (कामाख्या) मंदिर का निर्माण कर रहे हैं। मां कामाख्या देवी की मूर्ति स्थापना का संकल्प उन्होंने अपने गुरु के मार्गदर्शन में लिया है तथा संबंधित दस्तावेज सिविल न्यायालय भैंसदेही में प्रस्तुत किए जा चुके हैं, जहां मामला विचाराधीन है।

आवेदन में आरोप है कि विगत 7 नवंबर को बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्र कर उन्हें और उनके परिवार को धमकाया गया। 17 फरवरी 2026 को पुनः 100 से अधिक लोग घर के पास जुटे, गाली-गलौज की गई और झूठे प्रकरण में फंसाने की धमकी दी गई। माता के साथ अभद्र व्यवहार का भी आरोप है। शिकायत में समिति पद के दुरुपयोग और निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए परिवार को सुरक्षा देने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, मंगलवार 24 फरवरी 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

• बरघाट • छपारा • धनोरा • घंसौर • केवलारी • कुरई • लखनादौन • सिवनी ग्रामीण

वेतन रोकने पर पटवारियों ने कलेक्टर को दिया ज्ञापन

आठ महीने से वेतन लंबित, 38 पर अर्थदंड; मांगें न मानीं तो 27 फरवरी से आंदोलन

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता rashtrabaan.in

सिवनी जिले के पटवारियों ने आज सोमवार को दोपहर लगभग 3 बजे जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन दिया। यह ज्ञापन प्रमुख सचिव, राजस्व विभाग के नाम दिया गया, जिसमें अनूपपुर जिले के पटवारियों की विभिन्न समस्याओं का उल्लेख किया गया है। ज्ञापन में अनूपपुर जिला प्रशासन पर वेतन रोकने, अर्थदंड लगाने और निलंबन जैसी कार्यवाहियों के माध्यम से आर्थिक व मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया गया है।

38 पटवारियों पर अर्थदंड का विरोध

दूसरे बिंदु में अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के बीच 38 पटवारियों पर कुल 2 लाख 64 हजार 625 रुपए का अर्थदंड लगाए जाने का विरोध किया गया है। ज्ञापन के अनुसार, बिना आवेदक की अपील के सीधे दंड अध्यारोपित करना लोक सेवा अधिनियम 2010 के प्रावधानों के विपरीत है। तीसरे बिंदु में उल्लेख किया गया है कि उक्त अवधि में लगभग 30 पटवारियों को बिना नोटिस निलंबित किया गया, जिनमें से 9 पटवारी अभी भी निलंबित हैं। पटवारी संघ ने इन सभी को तत्काल बहाल करने की मांग की है।

मांगें न मानीं तो 27 फरवरी से आंदोलन

अन्य समस्याओं में देर शाम तक अनिवार्य बैठकें आयोजित करना, अवकाश के दिनों में भी कार्य का दबाव डालना और विभिन्न योजनाओं का भुगतान लंबित रहना भी शामिल बताया गया है। पटवारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो 25 और 26 फरवरी 2026 को प्रदेशभर के पटवारी सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। इसके बाद 27 फरवरी से चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी अनूपपुर जिला प्रशासन की होगी।

आठ माह से पटवारियों का वेतन लंबित

ज्ञापन में बताया गया है कि अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 तक अनूपपुर जिले के पटवारियों का वेतन बार-बार रोका गया। अप्रैल 2025 में जैतहरी तहसील के पटवारियों का वेतन रोका गया था। इसके बाद जुलाई, अगस्त, सितंबर 2025 और 30 जनवरी को भी सभी पटवारियों का वेतन अगले आदेश तक रोक दिया गया, जो अब तक जारी नहीं हुआ है।

संघ का कहना है कि लगभग आठ महीने से वेतन रोके जाने के कारण कर्मचारियों और उनके परिवारों को आर्थिक व मानसिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। दीपावली और दशहरा जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान भी वेतन न मिलना एक गंभीर मुद्दा बताया गया।

ब्लॉक कुनबी समाज ने किया आयोजन

लालबर्रा में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का समारोह पूर्वक भव्य अनावरण

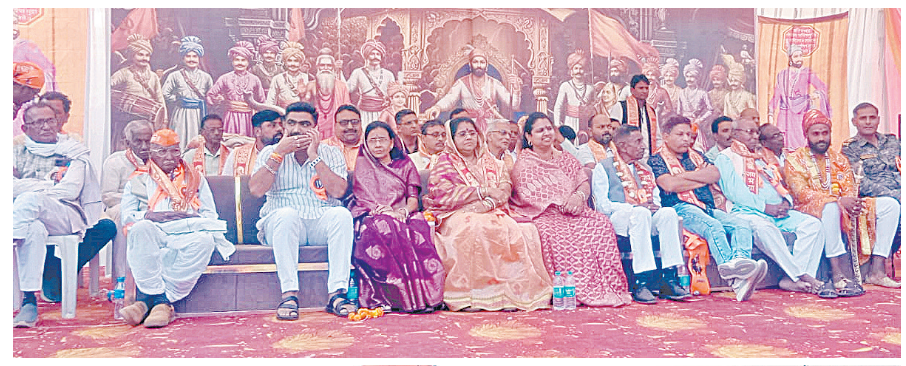

'जय शिवाजी- जय भवानी' के जयघोष से गुंजायमान हुआ लालबर्रा नगर,,

राष्ट्रबाण लालबर्रा | संवाददाता rashtrabaan.in

हिंदू साम्राज्य के धनी महापुरूष 'श्रीमंत छत्रपति शिवाजी राजे' महाराज की भव्य प्रतिमा का अनावरण लालबर्रा उत्कृष्ट स्कूल के सामने चौक में 22 फरवरी रविवार को उत्साह के साथ समारोह पूर्वक किया गया। रविवार को दोपहर ओम साई मंगलम लान पाढरवानी रोड़ से ब्लॉक लालबर्रा कुनबी समाज के पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं, मातृशक्तियों के सहयोग से वीर शिवाजी महाराज के जयघोष लगाते हुए मुख्य मार्ग से उत्कृष्ट स्कूल के सामने चौक में कार्यक्रम स्थल पर सभी जन पहुंचे। जहां महापुरुष वीर शिवाजी महाराज की घोड़े पर सवार भव्य प्रतिमा का अनावरण कुनबी समाज के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं, क्षेत्रीय विधायक अनुभा मुंजारे व सर्व हिंदू समाज के लोगों की उपस्थिति में समारोह पूर्वक किया गया।

वीर शिवाजी महाराज के फोटो पर माल्यार्पण कर पुष्प गुच्छ भेंट कर उनके साहस व वीरता को प्रणाम किया गया। मंच पर कुनबी समाज के पदाधिकारी कार्यकर्ता, यज्ञेश चावड़ा विश्व हिंदू परिषद जिला अध्यक्ष, संजय अग्रवाल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खंड संघचालक, अनुभा मुंजारे विधायक, हरिशंकर बनवारी (मुन्ना बनवाले), किशोर पालीवाल जनपद उपाध्यक्ष, सरिता गणेश मात्रे, बांसुतराव ढबाले सरपंच बम्हनी, दुर्गा पगरवार सरपंच कनकी, मनीराम भोयर पूर्व जिला उपाध्यक्ष, दिनेश फुंडेकर ब्लाक अध्यक्ष, सुनिल चतुर्वेदी थाना प्रभारी, कानतोड़े आरक्षक व अन्य लगभग आधा सैकड़ा सामाजिक अतिथि मंच पर विराजमान रहे। बालिकाओं द्वारा स्वागत गीत के साथ सरस्वती वंदना मधुर आवाज में प्रस्तुत की गई। स्कूली बालिकाओं द्वारा पारंपरिक भारतीय वेशभूषा में महापुरुष वीर शिवाजी महाराज के हिंदू समाज व देश के लिए समर्पित गौरवशाली गाथा के सम्मान में सांस्कृतिक नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी गई। तत्पश्चात मंचासीन अतिथि मनीराम भोयर, यज्ञेश (लालू)चावड़ा, किशोर पालीवाल, अनुभा मुंजारे व अन्य अतिथियों ने हमारे भारत देश के वीर महापुरुष मराठा साम्राज्य के हिंदूवादी राजा वीर शिवाजी महाराज की भारत देश के प्रति राष्ट्रप्रेम देशभक्ति सर्व हिंदू समाज को संगठित करने एवं उनकी सुरक्षा, मातृशक्तियों की सुरक्षा को लेकर उन्होंने मुगल शासकों को धूल चटा दिया और अपने परिवार, अपने राज्य संपत्ति का लोभ लालच परवाह न करते हुए सर्व हिंदू समाज और देशप्रेम के लिए देश को टुकड़ों टुकड़ों में बांटने वाले, समाज को टुकड़ों टुकड़ों में बांटने वाले विधर्मियों से आखरी दम तक लड़ते रहे। उन्होंने सर्व हिंदू समाज एवं देश के लिए अपने प्राणों की चिंता न करते हुए इस समाज व देश के लिए अपने प्राणों की आहुति तक दे दी। इसलिए वे आज इतिहास के पन्नों में दर्द हो गए और महापुरुष वीर शिवाजी महाराज के नाम से जाने जाते हैं और समाज उनकी जय-जयकार करता है मुगल शासकों से शिवाजी महाराज की बुद्धि तीव्र चलती थी। वे उनसे एक कदम आगे सोचते थे। मुगल शासकों ने निर्बल लोगों पर अत्याचार, माताओं -बहनों पर अत्याचार एवं हिंदू समाज पर अनगिनत अत्याचार किये, वे निर्दयी प्रवृत्ति के थे। मुगल शासकों ने समाज को तोड़ने एवं हिंदू धर्म को नष्ट करने का काम किया था। लेकिन देशभक्ति राष्ट्रभक्ति वीर शिवाजी महाराज ने हिंदू समाज की सुरक्षा मातृशक्तियों की सुरक्षा एवं हिंदू समाज को संगठित करने जागृत करने के लिए मुगल शासकों से युद्ध मैदान में हार नहीं मानी और मुगल शासकों को धूल चटा दिया। उनकी समाज प्रेम और देश प्रेम की विचारधारा एवं कार्य पद्धति से प्रेरित होकर आज के युवाओं युवतियों को समाजहित देशहित में कार्य करने की आवश्यकता है। वीर शिवाजी महाराज के पद चिन्हों पर चलने के लिए आज के युवकों युवतियों एवं सर्व हिंदू समाज को जागृत करने के लिए मंचासीन अतिथियों ने बारी-बारी से अपने बौद्धिक में यह विषय मुख्य रूप से रखा है। उक्त सामाजिक कार्यक्रम कुनबी समाज ब्लॉक लालबर्रा के तत्वाधान में बड़े ही उत्साह पूर्वक एवं भव्य रूप से समारोह पूर्वक आयोजित हुआ। जहां कुनबी समाज ब्लॉक पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं समेत सैकड़ों की संख्या में बुजुर्गों युवाओं मातृशक्तियों बच्चों ने अपना भरपूर योगदान दिया।

बालाघाट में सड़क हादसा, दो युवकों की मौत

घर लौटते समय खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई बाइक

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता rashtrabaan.in

बालाघाट जिले में रविवार देर शाम हुए एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। यह घटना भरवेली थाना क्षेत्र के बैहर रोड मार्ग पर टेकाड़ी और पिपरटोला के बीच हुई। मृतकों की पहचान रूपझर थाना क्षेत्र के सोनेवानी चौकी अंतर्गत चालीसबोड़ी निवासी सुनील पिता धनलाल उईके (31) और राहुल पिता कोपसिंह मर्सकोले (22) के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, सुनील और राहुल 22 जनवरी को बालाघाट किसी काम से आए थे। बालाघाट से अपने गांव लौटते समय उनकी तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़ी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली के पीछे से टकरा गई। इस टक्कर में दोनों युवकों को गंभीर चोटें आईं।

घायल अवस्था में उन्हें तत्काल जिला अस्पताल लाया गया, जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। देर रात शवों को जिला अस्पताल में रखा गया।

घटनास्थल की कर रहे जांच

अस्पताल चौकी पुलिस प्रभारी शिवदयाल पटले ने बताया कि घटना की जांच संबंधित घटनास्थल क्षेत्र की पुलिस द्वारा की जाएगी। सोमवार को जिला अस्पताल में दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया। अस्पताल चौकी पुलिस ने शवों का पंचनामा कर परिजनों को सौंप दिया।

लालबर्रा की वसुन्धरा दुबे ने दूसरी बार जीता गोल्ड मेडल

राष्ट्रबाण लालबर्रा | संवाददाता rashtrabaan.in

वसुंधरा दुबे जो की शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा के प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे एवं शिक्षिका योगिता दुबे की सुपुत्री हैं। इन्होंने दूसरी बार लगातार हॉर्स राइडिंग प्रतियोगिता आरडीसी दिल्ली में गोल्ड मेडल प्राप्त करने का रिकॉर्ड बनाया। कुमारी वसुंधरा दुबे नानाजी देशमुख वेटनरी विश्व विद्यालय जबलपुर की छात्रा हैं एवं इन्होंने महाविद्यालय जबलपुर कैंपस से एनसीसी के माध्यम से हॉर्स राइडिंग का अभ्यास किया। प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिल्ली में एनसीसी कैडेट्स की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित होती हैं। जिसमें हॉर्स राइडिंग भी एक है। वसुंधरा दुबे के द्वारा 2025 एवं 2026 दोनों वर्षों में हॉर्स राइडिंग की डेराज प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ निदेशालय का प्रतिनिधित्व करते हुए दोनों वर्षों में गोल्ड मेडल प्राप्त किया गया। 28 जनवरी को दिल्ली में आयोजित प्रधानमंत्री रैली में शामिल हुई, इस उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल द्वारा 2 फरवरी को राजभवन में सम्मानित किया गया तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा मुख्यमंत्री निवास पर 6 फरवरी को सम्मानित किया गया और 75000 रुपये का चेक भी प्रदान किया गया। पिछले वर्ष भी वसुंधरा दुबे को मुख्यमंत्री के हस्ते 1 लाख रुपए का चेक प्राप्त हुआ था, उल्लेखनीय है कि गोल्ड मेडल प्राप्त करने के उपरांत वसुंधरा दुबे भारत की राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में भेंट का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कुमारी वसुंधरा दुबे इन सभी उपलब्धियां के उपरांत 16 फरवरी 2026 को जब अपने गृह नगर लालबर्रा पहुंची तो परिवार, शाला परिवार, पड़ोसी एवं नगर के लोगों के द्वारा इनका गर्म जोशी के साथ सम्मान किया गया। होनहार बच्ची के स्वागत करने के पश्चात बस स्टैंड से घर तक ढोल बाजे की धुन पर बच्ची को सम्मान ले जाया गया।

संत गाडगे महाराज को बताया स्वच्छता का जनक

150वीं जयंती पर धोबी समाज ने किया माल्यार्पण; स्वच्छता अभियान को उनका नाम देने की मांग

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता rashtrabaan.in

बालाघाट में 23 फरवरी को धोबी समाज ने संत शिरोमणी गाडगे महाराज की 150वीं जयंती मनाई। इस अवसर पर मुख्यालय स्थित देवीतालाब के किनारे उनकी प्रतिमा स्थल पर सफाई अभियान चलाया गया। इसके बाद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

धोबी समाज के अध्यक्ष नितेश कनौजिया ने इस अवसर पर कहा कि समाज अपने आराध्य संत शिरोमणी गाडगे महाराज की 150वीं जयंती मना रहा है। उन्होंने संत गाडगे महाराज को स्वच्छता का जनक और जननायक बताया, जिन्होंने सबसे पहले स्वच्छता की अलख जगाई थी। कनौजिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि देश में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान को संत शिरोमणी गाडगे महाराज का नाम दिया जाए।

परीक्षा देने जा रहे आठवीं के छात्र के साथ मारपीट

छात्र एवं परिजनों, ग्रामीणों की शिकायत पर मारपीट करने वाले युवक के खिलाफ थाना में मामला पंजीबद्ध

राष्ट्रबाण लालबर्रा | संवाददाता rashtrabaan.in

लालबर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अमोली में एक स्कूली छात्र के साथ अभद्रता, मारपीट और गाली-गलौज का मामला सामने आया है। घटना उस समय हुई जब छात्र अपनी परीक्षा देने शासकीय कन्या शाला अमोली जा रहा था।

छात्र एवं परिजनों, ग्रामीणों की शिकायत पर पुलिस ने मारपीट करने वाले युवक के खिलाफ बीएनएस की धारा 296(ड्ड), 115(2), 351(2) के तहत मामला पंजीबद कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रामजीटोला निवासी छात्र अंशुल मात्रे जो

शासकीय माध्यमिक शाला अमोली में कक्षा आठवीं का छात्र है। वह शुक्रवार दोपहर करीब 1:30 बजे अपनी परीक्षा देने शासकीय कन्या शाला अमोली जा रहा था। तभी पसीने चौक निवासी अपने छत के ऊपर से गाय को भगाने के लिए पानी डाल रहे थे। जिसके छिटे छात्र के ऊपर आए तो छात्र ने उन्हें विनम्रता पूर्वक कहा कि अंकल देखकर पानी फेंको।

तभी वहां मौके पर मौजूद शशांक अग्रवाल ने छात्र से तू कौन होता है मेरे पापा को पानी फेंकने से मना करने वाला कहकर गंदी गाली गलौज कर मारपीट की। तभी मार्ग से गुजर रहे लोगों ने बीच बचाव भी किया, वहीं छात्र अंशुल मात्रे परीक्षा देने के बाद घर पहुंच कर परिजनों को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद शाम को छात्र के साथ परिजन व ग्रामीण जन थाने पहुंचे और पुलिस को छात्र के साथ मारपीट करने वाले व्यक्ति पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की एवं मांग पूरी नहीं होने पर कठोर कदम उठाने की चेतावनी भी दी है। पुलिस ने छात्र व परिजनों की शिकायत पर शशांक अग्रवाल के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबद कर लिया है। चर्चा में छात्र अंशुल मात्रे ने बताया कि शुक्रवार को दोपहर में स्कूल पेपर देने जा रहा था तभी छात्र के ऊपर से एक अंकल ने सड़क के ऊपर पानी फेंका जिसके बाद मेरे द्वारा उन्हें हाथ हिलाया गया। जिसके बाद उनके लड़के के द्वारा मेरे साथ मारपीट की गई और जब कुछ लोग बीच बचाव करने आए तो उनके साथ भी अभद्र व्यवहार किया गया। इस घटना से मैं मानसिक रूप से परेशान हो गया और पेपर भी अच्छा नहीं गया। छात्र ने मानसिक तनाव में पेपर हल किया है, उसका परीक्षा परिणाम प्रभावित होगा।

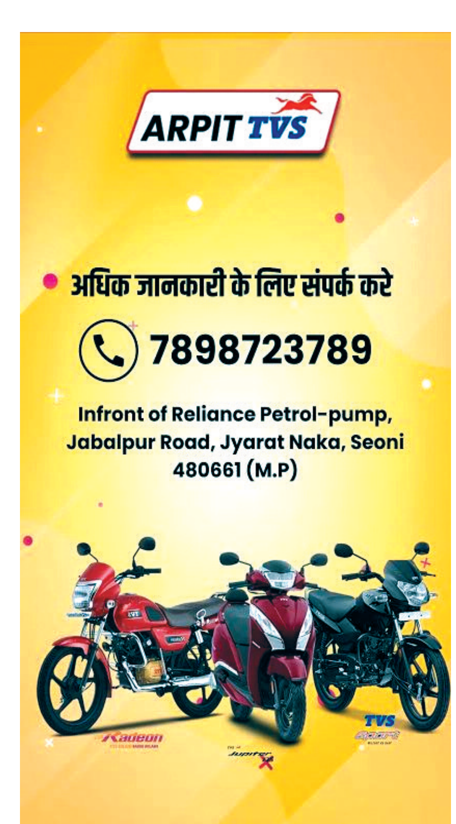

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433